Roll No. ……..

MASA–03

भारतीय दर्शन

एम. ए. संस्कृत (एम. ए. एस. ए.–11)

प्रथम वर्ष, परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सत्कार्यवाद का विस्तार से वर्णन कीजिये।
2. प्रकृति के स्वरूप की व्याख्या कीजिये।
3. सांख्य दर्शन पर एक निबन्ध लिखिये।
4. वेदान्तसार का प्रतिपाद्य क्या है ? विस्तार से लिखिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वैशेषिक दर्शन का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
2. चार्वाक् दर्शन का संक्षेप में प्रतिपाद्य लिखिये।
3. बन्धन के स्वरूप का वर्णन कीजिये।
4. सांख्य दर्शन में कितने तत्वों की गणना की गयी है ? नामशः उल्लेख कीजिये।
5. तर्क भाषा के अनुसार त्रिविध कारणों का उल्लेख कीजिये।
6. मोक्ष के स्वरूप का वर्णन कीजिये।
7. आस्तिक दर्शन किसे कहते हैं ? आस्तिक दर्शनों की मान्यताएँ लिखिये।
8. न्याय व वैशेषिक के अन्तर को स्पष्ट कीजिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिये :

1. सांख्य दर्शन में कितने तत्व बताये गये हैं ?
2. प्रकृति की सत्ता किस दर्शन में सिद्ध की गयी है ?

3. "असदकरणात्" कहाँ का वाक्य है ?
4. "अध्यारोप" का वर्णन किस ग्रन्थ में है ?
5. प्रमाण्यवाद किस ग्रन्थ में है ?
6. वेदान्तसार किसकी कृति है ?
7. तीन प्रकार के कारणों का वर्णन किस पुस्तक में है ?
8. पंचीकरण का वर्णन कहाँ है ?
9. कपिल मुनि किस दर्शन के प्रणेता हैं ?
10. "दुखत्रयाभिघातात्" की उक्ति किस दर्शन में है ?